दैनिक भास्कर

जींद भास्कर 24-04-2026

चेतना ही वास्तविक ज्ञान का आधार है : प्रो. राज नेहरू

जींद| सीआरएसयू में डॉ. भीमराव आम्बेडकर पुस्तकालय के तत्वावधान में 'आध्यात्मिक आयामों की खोज: चेतना की ज्ञान शक्ति' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम कुलगुरु प्रो. रामपाल सैनी के मार्गदर्शन में हुआ, जिसमें शिक्षा के साथ मानसिक व आध्यात्मिक विकास पर विचार-विमर्श किया गया। मुख्य वक्ता प्रो. डॉ. राज नेहरू ने कहा कि चेतना ही वास्तविक ज्ञान का आधार है। उन्होंने आईएम शिवा की अवधारणा के माध्यम से आत्मबोध, अनुशासन और सकारात्मक ऊर्जा पर बल दिया। उन्होंने बताया कि शिक्षा केवल जानकारी तक सीमित नहीं, बल्कि उसे जीवन में लागू करना ही वास्तविक ज्ञान है। कार्यक्रम में प्रो. राजवीर पराशर (आरकेएसडी कॉलेज, कैथल) व डॉ. दिनेश दधीचि (पूर्व विभागाध्यक्ष, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय) ने भी अपने विचार रखे। कुलगुरु प्रो. सैनी ने कहा कि पुस्तकालय आज नवाचार और चिंतन के केंद्र बन चुके हैं। अंत में कुलसचिव प्रो. सीमा गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

दैनिक जागरण

Date-24.04.2026

शिक्षा व्यक्ति के मानसिक, नैतिक विकास का आधार : प्रो. रामपाल

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए कुलगुरु प्रो. रामपाल सैनी। ● सौजन्य सीआरएसयू

जासं ● जींद : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. रामपाल सैनी के मार्गदर्शन में डा. भीमराव आंबेडकर पुस्तकालय द्वारा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय आध्यात्मिक आयामों की खोज, चेतना की ज्ञान शक्ति रहा, जिसमें शिक्षा, चेतना और आध्यात्मिकता के गहन आयामों पर विचार-विमर्श किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. डा. राज नेहरू (ओएसडी टू सीएम हरियाणा) उपस्थित रहे। गेस्ट आफ आनर के रूप में प्रो. राजवीर पराशर (आरकेएसडी कालेज, कैथल) व डा. दिनेश दधीचि (सेवानिवृत्त प्रोफेसर एवं पूर्व विभागाध्यक्ष अंग्रेजी विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र) ने शिरकत की। कुलगुरु प्रो. रामपाल सैनी ने कहा आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में शिक्षा का दायरा केवल अकादमिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह व्यक्ति के मानसिक, नैतिक और आध्यात्मिक विकास का आधार बन चुका है। उन्होंने कहा कि वास्तविक शिक्षा वही है, जो व्यक्ति को स्वयं की पहचान कराए और उसे अपने भीतर निहित क्षमताओं को समझने की प्रेरणा दे। चेतना वह आंतरिक शक्ति है जो मनुष्य को सही दिशा में सोचने, निर्णय लेने और जीवन के उद्देश्य को समझने में मार्गदर्शन करती है।

अमर उजाला

Date-24.04.2026

कार्यशाला

सीआरएसयू में आंबेडकर पुस्तकालय की ओर से आध्यात्मिक आयामों पर कार्यशाला आयोजित

चेतना की शक्ति से ही सर्वांगीण विकास संभव

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में डॉ. भीमराव आंबेडकर पुस्तकालय की ओर से वीरवार को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यशाला का मुख्य विषय आध्यात्मिक आयामों की खोज चेतना की ज्ञान शक्ति रहा जिसमें शिक्षा, चेतना और आध्यात्मिकता के अंतर्संबंधों पर गहन मंथन हुआ।

मुख्य वक्ता एवं ओएसडी टू सीएम प्रो. डॉ. राज नेहरू ने कहा कि चेतना ही वास्तविक ज्ञान की मूल आधारशिला है। उन्होंने मैं शिव हूं की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए कहा कि शिव कोई सीमित रूप नहीं, बल्कि शुद्ध चिति यानी परम चेतना हैं।

उन्होंने कहा कि आज की शिक्षा प्रणाली में केवल जानकारी का संग्रह पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे जीवन में उतारना ही वास्तविक ज्ञान है। उन्होंने विज्ञान और आध्यात्मिकता को एक-दूसरे का पूरक बताते हुए युवाओं को डिजिटल युग में मानसिक संतुलन हेतु ध्यान और आत्मचिंतन अपनाने की सलाह दी।

प्रो. डॉ. राज नेहरु का स्वागत करते सीआरएसयू में कुलपति प्रो. रामपाल सैनी व अन्य। संवाद

कुलपति प्रो. राम पाल सैनी ने कहा कि प्रतिस्पर्धात्मक युग में शिक्षा का दायरा केवल डिग्रियों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। शिक्षा वही है जो व्यक्ति के मानसिक, नैतिक और आध्यात्मिक विकास का आधार बने। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय की ओर से ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में जिज्ञासा और सकारात्मक सोच विकसित करने के लिए सराहनीय हैं। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. सीमा गुप्ता, डिप्टी लाइब्रेरियन डॉ. अनिल कुमार और प्रो. राजवीर पराशर मौजूद रहे।